INDIAN STREAMS RESEARCH JOURNAL
ISSN NO : 2230-7850
IMPACT FACTOR : 5.1651 (UIF)
VOLUME - 12 | ISSUE - 9 | OCTOBER - 2022

द्वन्द्वात्मक तथा गैर द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले विश्वविद्यालयीन छात्रों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार के लक्षणों का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. अजय करकरे[1] , भाऊसाहेब जुलाल पाटील[2]
[1] प्राचार्य, रानी लक्ष्मीबाई महिला महाविद्यालय सावंरगाँव, नागपुर.
[2] राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर.

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य द्वन्द्वात्मक तथा गैर द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले विश्वविद्यालयीन छात्रों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार के लक्षणों का तुलनात्मक अध्ययन करना है । अध्ययन हेतु द्वन्द्वात्मक तथा गैर द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले 400 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया । द्वन्द्वात्मक खेलों के रूप में कुश्ती, जूडो, बॉक्सिंग तथा ताईक्वांडो की अंतरविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 200 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया जिसमें कुश्ती की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों, जूडो प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों, बॉक्सिंग की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों तथा ताईक्वांडो की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया । गैर द्वन्द्वात्मक खेलों के रूप में टेबल टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल तथा बास्केटबॉल की अंतरविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 200 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया जिसमें टेबल टेनिस की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों, बैडमिंटन प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों, फुटबॉल की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों तथा बास्केटबॉल की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया । द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों को 18 से 27 वर्ष के आयु वर्ग से चुना गया जिनकी औसत आयु 22.87 वर्ष थी । इसी प्रकार गैर द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों को 18 से 27 वर्ष के आयु वर्ग से चुना गया जिनकी औसत आयु 23.01 वर्ष थी । अध्ययन में न्यादर्श के असामान्य व्यवहार का आंकलन जोधपुर बहुअंशी व्यक्तित्व इन्वेंटरी द्वारा किया गया । इसका निर्माण जोशी एवं मलिक (1981) ने किया गया है । इस इन्वेंटरी के साइकोन्यूरॉटिक स्केल में 08 घटक चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक–हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता हैं । परिणाम के अनुसार द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में असामान्य व्यवहार के अंतर्गत चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक–हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता का स्तर, गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से अधिक पाया गया । अतः निष्कर्षतः खिलाड़ियों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार खेलों की द्वन्द्वात्मक एवं गैर–द्वन्द्वात्मक प्रकृति से संबंधित हैं ।

संकेत शब्द : द्वन्द्वात्मक खेल, गैर द्वन्द्वात्मक खेल, असामान्य व्यवहार

प्रस्तावना :

कॉम्बेट स्पोर्ट को द्वन्द्वात्मक खेल भी कहा जाता है तथा प्राचीन समय में गदा युद्ध, कुश्ती आदि द्वन्द्वात्मक खेल अत्यंत ही प्रचलित थे । द्वन्द्वात्मक खेल में वन टू वन या दो प्रतिस्पर्धियों के मध्य सीधा

मुकाबला होता है । पुरातन काल में युद्ध होना सामान्य था तथा यह समय द्वन्द्वात्मक खेलों के विकास के लिये उपयुक्त था जिससे कि युद्ध हेतु आवश्यक बल का विकास किया जा सके । आधुनिक समय में यह द्वन्द्वात्मक खेल कुछ विशिष्ट नियमों के साथ खेले जाने लगे । ओलंपिक में द्वन्द्वात्मक खेलों को पेनक्रेशन खेलों के रूप में जाना जाता था तथा जिसका उल्लेख 648 बी.सी. के ओलंपिक खेलों में भी मिलता है । द्वन्द्वात्मक खेलों के अलावा स्वरूप एवं प्रकृति के आधार पर भी खेलों को विभाजित किया गया है । खेलों को समूह तथा एकल खेल के रूप में परिभाषित किया जा सकता है । समूह एवं एकल खेल भी कॉन्टेक्ट या नॉन कॉन्टेक्ट या गैर द्वन्द्वात्मक या फिर द्वन्द्वात्मक खेल हो सकते हैं । इस कारण एक विस्तृत श्रेणी के अंतर्गत टेबल टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल एवं बास्केटबॉल खेलों को गैर द्वन्द्वात्मक खेल माना जाता है क्योंकि इसमें प्रतिद्वन्द्वी पर किसी भी प्रकार से नियमों के विपरीत सीधे बल प्रयोग नहीं किया जा सकता है जबकि कुश्ती, बॉक्सिंग, जूडो तथा ताईक्वांडो को द्वन्द्वात्मक खेल माना जाता है । अतः द्वन्द्वात्मक एवं गैर द्वन्द्वात्मक खेल मूलतः एक–दूसरे से भिन्न हैं । Anomelos शब्द से असामान्य या Abnormality शब्द की व्युत्पत्ति हुई है तथा इसका शाब्दिक अर्थ है अनियमित । अतः अनियमित व्यवहार को ही सामान्य अर्थों में असामान्य व्यवहार माना जाता है क्योंकि Abnormal का अर्थ सामान्य से विचलित होना है । Brown (1940) की परिभाषा के अनुसार जब सामान्य व्यवहार नाटकीय एवं अतिरंजित स्वरूप ले लेता है तो उसे असामान्य व्यवहार कहते हैं । Drever (1968) के अनुसार असामान्य व्यवहार निर्धारित सामाजिक मानकों की तुलना में कम या अधिक प्रमाण में किया गया व्यवहार है । शारीरिक बनावट के आधार पर व्यक्तित्व का प्रतिपादन किया गया है जिसके अनुसार शरीर रचना का प्रभाव व्यक्तित्व पर पड़ता है । द्वन्द्वात्मक खेलों में शारीरिक बनावट एवं दमखम की आवश्यकता होती है तथा यह सिद्ध किया गया है कि इन खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में आत्म मुग्धता या नाटकीयता जैसे विकार अन्य खेलों तथा गैर खिलाड़ियों से ज्यादा होते हैं । गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ी भी मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं से ग्रस्त रह सकते हैं । परन्तु विगत् वर्षों में किये गये अध्ययनो में यह तथ्य भी प्रमाणित हुआ है कि अन्य खेलों की तरह द्वन्द्वात्मक खेलों का प्रयोग भी असामान्य व्यवहार को कम करने में किया जा सकता है । अतः परिणामों में विरोधाभास के कारण प्रस्तुत अध्ययन में द्वन्द्वात्मक तथा गैर द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार का आंकलन किया जा सकेगा तथा प्राप्त परिणाम न केवल खेलों की प्रकृति एवं असामान्य व्यवहार के बीच संबंधों को वैज्ञानिक रूप से परखेंगे वरन् नैदानिकी मनोविज्ञान में इस संबंध में दिये गये साहित्य को और अधिक संवर्धित करेंगे ।

संबंधित साहित्य का अध्ययन :

पूर्व में किये गये कार्यों के सूक्ष्म विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि द्वन्द्वात्मक तथा गैर द्वन्द्वात्मक खिलाड़ियों पर केन्द्रित ऐसे अनेक अध्ययन जिसमें उनके व्यक्तित्व, मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तित्व विकारों की संभवता तथा विभिन्न कारकों का आंकलन हुआ है । इन अध्ययनों में Schaal et al. (2011), Sohrabi (2011), Kaur and Singh (2013), Nixdorf et al. (2016), Shambharkar and Agashe (2016), Bhalla (2018), Basumatary (2019), Kostorz and Sas-Nowosielski (2021), Durate et al. (2022) के अध्ययन प्रमुख हैं । इन अध्ययनों में द्वन्द्वात्मक एवं गैर द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार पर एक राय नहीं है ।

अध्ययन का उद्देश्य :

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य द्वन्द्वात्मक तथा गैर द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी छात्रों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन करना है ।

परिकल्पना :

द्वन्द्वात्मक एवं गैर द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी छात्रों के मध्य असामान्य व्यवहार के घटकों चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक– हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता से संबंधित लक्षणों में सार्थक भिन्नता पायी जायेगी ।

अध्ययन पद्धति :

न्यादर्श :

अध्ययन के विषय के अनुरूप द्वन्द्वात्मक तथा गैर द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले 400 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया । द्वन्द्वात्मक खेलों के रूप में कुश्ती, जूडो, बॉक्सिंग तथा ताईक्वांडो की अंतरविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 200 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया जिसमें कुश्ती की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों, जूडो प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों, बॉक्सिंग की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों तथा ताईक्वांडो की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया । गैर द्वन्द्वात्मक खेलों के रूप में टेबल टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल तथा बास्केटबॉल की अंतरविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 200 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया जिसमें टेबल टेनिस की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों, बैडमिंटन प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों, फुटबॉल की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों तथा बास्केटबॉल की प्रतियोगिता से 50 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया । द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों को 18 से 27 वर्ष के आयु वर्ग से चुना गया जिनकी औसत आयु 22.87 वर्ष थी । इसी प्रकार गैर द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों को 18 से 27 वर्ष के आयु वर्ग से चुना गया जिनकी औसत आयु 23.01 वर्ष थी । सप्रयोजन पद्धति से न्यादर्श को चुना गया ।

परीक्षण विधि :

जोधपुर बहुअंशी व्यक्तित्व इन्वेंटरी :

अध्ययन में न्यादर्श के असामान्य व्यवहार की आंकलन जोधपुर बहुअंशी व्यक्तित्व इन्वेंटरी द्वारा किया गया । इसका निर्माण जोशी एवं मलिक (1981) ने किया गया है । इस इन्वेंटरी के साइकोन्यूरॉटिक स्केल में 08 घटक चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक–हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता हैं । इस इन्वेंटरी पर उत्तरदाता की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन 05 अंकों की लिकर्ट स्केल से किया जाता है एवं यह पांच विकल्प हमेशा, बहुधा, साधारणतया, कभी–कभी एवं कभी नहीं हैं । इन विकल्पों पर 04, 03, 02, 01 एवं 00 अंक दिये जाते हैं जिसमें सकारात्मक / नकारात्मक कथन पर स्कोरिंग विपरीत होती है । यह इन्वेंटरी पूर्णतः सांख्यिकीय रूप से वैध एवं विश्वसनीय है ।

प्रक्रिया :

सप्रयोजन प्रणाली के द्वारा द्वन्द्वात्मक खेलों से 200 विश्वविद्यालयीन पुरुष खिलाड़ियों, गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों से 200 विश्वविद्यालयीन पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया । चयन किये गये खिलाड़ियों पर अध्ययन में प्रयुक्त जोधपुर मल्टीफेजिक पर्सनालिटि इन्वेंटरी का प्रशासन किया गया । इन्वेंटरी में प्रत्येक कथन पर मूल्यांकन की पद्धति का अनुगमन करते हुए स्कोरिंग की गयी तथा प्रत्येक घटक से जुड़े कथनों पर अंकों को जोड़कर कुल मान निकाले गये । स्कोरिंग के बाद प्रत्येक न्यादर्श के 08 घटकों पर मान सारणीकृत कर सांख्यिकीय विश्लेषण का कार्य किया गया ।

परिणाम :

तालिका क्रमांक 1 में विश्वविद्यालयीन द्वन्द्वात्मक तथा गैर द्वन्द्वात्मक स्पर्धाओं के खिलाड़ी–छात्रों के मध्य असामान्य व्यवहार के घटकों की तुलना प्रस्तुत की गयी है। तुलना के लिये independent sample 't' test का प्रयोग किया गया है ।

तालिका क्रमांक 1
विश्वविद्यालयीन द्वन्द्वात्मक तथा गैर द्वन्द्वात्मक स्पर्धाओं के खिलाड़ी–छात्रों के मध्य असामान्य व्यवहार के घटकों की तुलना

असामान्य व्यवहार के घटक	द्वन्द्वात्मक खेल – विश्वविद्यालयीन पुरुष खिलाड़ी (N=200)		गैर द्वन्द्वात्मक खेल– विश्वविद्यालयीन पुरुष खिलाड़ी (N=200)		't-value'	सार्थकता का स्तर
	Mean	S.D.	Mean	S.D.		
चिंता	39.14	5.17	37.56	4.22	3.34	p<.01
मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया	34.95	5.46	31.86	4.64	6.08	p<.01
रुपांतरण प्रतिक्रिया	22.37	2.18	21.10	2.02	6.05	p<.01
वियोजनात्मक हिस्टिरिया	15.13	2.09	14.24	1.75	4.63	p<.01
असंगत भय	18.22	4.21	15.97	3.63	5.70	p<.01
अवसाद	36.29	5.03	33.28	4.84	6.08	p<.01
स्नायु दौर्बल्य	15.37	2.85	14.11	1.99	5.11	p<.01
सामाजिक अंतर्मुखता	37.18	3.96	34.11	2.73	9.01	p<.01

t(df=398) = 1.97 at p<.05 and 2.57 at p<.01

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में चिंता का स्तर (Mean = 39.14), गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों (Mean = 37.56) से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन t=3.34, p<.01 से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया का स्तर (Mean = 34.95), गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों (Mean = 31.86) से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन t=6.08, p<.01 से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में रुपांतरण प्रतिक्रिया का स्तर (Mean = 22.37), गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों (Mean = 21.10) से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन t=6.05, p<.01 से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में वियोजनात्मक हिस्टिरिया का स्तर (Mean = 15.13), गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों (Mean = 14.24) से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन t=4.63, p<.01 से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के आंकड़ों के अनुसार द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में असंगत भय घटक पर Mean = 18.22 तथा गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में असंगत भय पर Mean = 15.97 पाया गया । अतः द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों में असंगत भय का स्तर गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन t=5.70, p<.01 से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के आंकड़ों के अनुसार द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में अवसाद घटक पर Mean = 36.29 तथा गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में अवसाद पर Mean = 33.28, पाया गया । अतः द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों में अवसाद से जुड़े पहलुओं का प्रमाण गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन t=6.08, p<.01 से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के आंकड़ों के अनुसार द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में स्नायु दौर्बल्य घटक पर Mean = 15.37 तथा गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में स्नायु दौर्बल्य पर Mean = 14.11 पाया गया । अतः द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों में स्नायु दौर्बल्य से जुड़े पहलुओं का प्रमाण गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन t=5.11, p<.01 से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के आंकड़ों के अनुसार द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में सामाजिक अंतर्मुखता घटक पर Mean = 37.18 तथा गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में सामाजिक अंतर्मुखता पर Mean = 34.11 पाया गया । अतः द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों में सामाजिक अंतर्मुखता से जुड़े पहलुओं का प्रमाण गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले पुरुष खिलाड़ियों से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन $t=9.01$, $p<.01$ से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

आंकड़ों के विश्लेषण से यह भी ज्ञात हुआ कि सभी घटकों पर दोनों समूहों के माध्य इस स्केल में असामान्य व्यवहार को निर्धारित करने वाले मानक से कहीं कम थे ।

परिणामों पर चर्चा :

अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार द्वन्द्वात्मक तथा गैर द्वन्द्वात्मक खिलाड़ियों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहारों में सार्थक भिन्नता पायी गयी तथा द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता का स्तर, गैर द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से सार्थक स्तर पर अधिक पाया गया । प्रस्तुत अध्ययन से मिलते जुलते परिणाम Fisher et al. (2003), Endresen and Olweus (2005), Bhalla (2018) के अध्ययन में पाये गये । प्राप्त परिणामों को परिष्कृत परिकल्पना के आधार पर समझाया जा सकता है । इस परिकल्पना के अनुसार लगातार द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने तथा द्वन्द्वात्मक खेलों से जुड़ी पौरुष (Macho) / मानकों / आदर्श के कारण भी द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में असामान्य का स्तर गैर–द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से अधिक होता है । अन्य परिकल्पनाओं के अनुसार द्वन्द्वात्मक खिलाड़ियों में खेल के दौरान चोटिल होने की संभावना गैर–द्वन्द्वात्मक खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से अधिक होती है जिससे उनमें असंगत भय जैसे असामान्य व्यवहार का स्तर अधिक होता है ।

निष्कर्ष :

अध्ययन में द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में असामान्य व्यवहार चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक– हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता से संबंधित लक्षण गैर द्वन्द्वात्मक खेल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से अधिक पाये गये । अतः निष्कर्षतः खिलाड़ियों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार खेलों की द्वन्द्वात्मक एवं गैर–द्वन्द्वात्मक प्रकृति से संबंधित हैं ।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

Basumatary, S. (2019). Comparative study of aggression between combat sports and non-combat sports players. International Journal of Physical Education, Sports and Health; 6(1): 37-40.

Bhalla, D. (2018). Assessment of psychological aspects, between boxing and cricket female players of national & interuniversity level. International Journal of Yogic, Human Movement and Sports Sciences; 3(1): 1301-1302.

Brown, J.F. (1940). Psychodynamics of Abnormal Behaviour, New York, McGraw Hill.

Durate, J.D.E.D.S., Pasa, C., Kommers, M.J., Ferrax, A.D.F., Hongyu, K., Fett, W.C.R. and Rezende, C. (2022). JMood profile of regular combat sports practitioners: a cross-sectional study. Journal of Physical Education and Sport ® (JPES), Vol. 22 (issue 5), Art 151, pp. 1206 – 1213.

Endresen, I.M. and Olweus, D. (2005). Participation in power sports and antisocial involvement in preadolescent and adolescent boys. J Child Psychol Psychiatry.; 46(5): 468-78.

Fisher, A.C., Horsfall, J.S. and Morris, H.H. (2003). Sport personality assessment: A methodological re-examination. International J. Sport Psychol., 8(2): 92-102.

Kaur, R. and Singh, S. (2013). A study on personality traits of combative (Judo) and non-combative (cricket) sports players. International Journal of Research Pedagogy and Technology in Education. Vol. 1, Issue 4, pp. 104-111.

Kostorz, K. and Sas-Nowosielski, K. (2021). Aggression Dimensions Among Athletes Practising Martial Arts and Combat Sports. Front Psychol.

Nixdorf, I., Frank, R. and Beckmann, J. (2016). Comparison of Athletes' Proneness to Depressive Symptoms in Individual and Team Sports: Research on Psychological Mediators in Junior Elite Athletes. Front Psychol.; 7: 893.

Schaal, K.; Tafflet, M.; Nassif, H., Thibault, V. and Pichard, C. (2011) Psychological Balance in High Level Athletes: Gender-Based Differences and Sport-Specific Patterns. PLoS ONE 6(5): e19007.

Shambharkar, K. and Agashe, C.D. (2016). A comparative study of hostile aggression in sportsperson : with reference to combative and non-combative sports. Review of Research, 5(4), 1-3.

Sohrabi, F.S.; Atashak, S. and Aliloo, M.M. (2011). Psychological Profile of Athletes in Contact and Non-Contact Sports. Middle-East Journal of Scientific Research 9 (5): 638-644.